भा.कृ.अनु.प. – शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय, भीमताल द्वारो राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस का आयोजन

भा.कृ.अनु.प. – शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय, भीमताल द्वारा 10 जुलाई, 2018 को राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस का आयोजन किया गया । इस अवसर पर लेह–लद्दाख, सिक्किम, असम, मेघालय एवं उत्तराखण्ड से आये 100 मत्स्य कृषकों ने भाग लिया तथा अपना अनुभव बताते हुए पहाड़ी क्षेत्रों में मत्स्य पालन की प्रक्रिया के बारे विस्तृत जानकारी दी । इस अवसर पर डा. देबाजीत सर्मा, निदेशक, डी.सी.एफ.आर. भीमताल द्वारा सभी कृषकों, वैज्ञानिकों तथा स्थानीय विभिन्न विकास विभागों से आये अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए व्यक्त किया कि निदेशालय द्वारा विकसित मत्स्य पालन की वैज्ञानिक तकनीकों का अनुपालन करते हुए कृषक अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं जिसके लिए वैज्ञानिकों एवं कृषकों में परस्पर समन्वय नितान्त आवश्यक है । इस अवसर पर डा.ए.के. सिंह, भूतपूर्व निदेशक, डी.सी.एफ.आर.,डा. ए.पी. शर्मा, भूतपूर्व निदेशक, सी.आई.एफ.आर. आई., कोलकाता, डा. आर.एस. रावल, निदेशक, गो.ब. पन्त. हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान, कोसी, कटारमल एवं डा.प्रेम कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली उपस्थित थे, जिन्होंने अपने–अपने विचारों से मत्स्य पालकों को मत्स्य पालन के विभिन्न वैज्ञानिक तौर–तरीकों की जानकारी दी एवं उनका उत्साहवर्धन किया ।

इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में 15 प्रगतिशील पर्वतीय मत्स्य पालकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया जिनमें श्री पीताम्बरदत्त गहतोड़ी, पाटी ब्लॉक, चम्पावत, श्री लक्ष्मण सिंह, कठार, चम्पावत, श्री गिरीश सनवाल, भीमताल, श्रीमती भावना देवी, चम्पावत, श्री जुबेर अहमद, लेह–लद्दाख, श्री गोपाल प्रधान, सिक्किम, श्री वान शा फ्रांग, मेधालय, श्री पदमा मिलि, असम प्रमुख थे । इस कार्यक्रम में मत्स्य कृषकों को मत्स्य बीज, मत्स्य खाद्य एवं बीमार मछलियों के उपचार हेतु दवाईयों का वितरण भी किया गया ताकि कृषक लाभान्वित हो सकें । इस कार्यक्रम में डी.सी.एफ.आर. के समस्त वैज्ञानिक जिनमें मुख्यतः डा.एन.एन. पाण्डे, डा. सुरेश चन्द्रा, डा. एम. एस. अख्तर, अधिकारी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे जिसके सफल आयोजन के लिए उन्होंने अपना योगदान दिया ।

ICAR-DCFR, Bhimtal celebrated the fish farmers' Day

ICAR-Directorate of Coldwater Fisheries Research, Bhimtal, celebrated a day long fish farmers' Day program on 10th July, 2018. In this auspicious program more than two hundred participants were presents including coldwater (Himalayan) fish farmers from Leh Laddakh, Uttarakhand, Sikkim, Assam and Meghalaya. Progressive farmers shared their valuable experiences and benefits of coldwater aquaculture in providing them a best means of living which is expected to increase their income. Dr. Debajit Sarma, Director, DCFR, addressed the farmers and scientists. In his speech, he emphasized the potential of coldwater fish farming in improving the livelihood of Himalayan farmers in a sustainable manner. Total of 15 progressive fish farmers from various states of Himalaya like Leh Laddakh, Uttarakhand, Sikkim, Assam and Meghalaya were awarded for their best contribution in bringing the higher level of fish production in their respective states. All the scientist and staffs of DCFR also attended the program.

राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस
NATIONAL FISH FARMERS DAY
10th July, 2016

National
Fish Farmers Day
राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस

National
Fish Farmers Day

National
Fish Farmers Day

National
Fish Farmers Day
राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस
10th July, 2018